CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT

OFFICE OF THE PUBLIC RELATIONS

PRESS RELEASE, DATE: 08.01.2025

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय 'भारतीय भाषाओं की सामासिकता' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करेगा

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान से 9 और 10 जनवरी 2025 को सीयूओ के सुनाबेड़ा परिसर में 'भारतीय भाषाओं की सामासिकता' शीर्षक से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी ने कहा कि, "भारतीय ज्ञान परंपराओं की जड़ें देश की भाषाओं में समाहित हैं, जहाँ यह छोटी-छोटी दूरी में बदलती रहती हैं। भारत की पारंपरिक सनातन संस्कृति सदियों से मजबूत है; क्योंकि इसकी नींव भाषाओं में निहित है। भारतीय भाषाएँ कई विदेशी भाषाओं की उत्पत्ति का आधार हैं। इसलिए, ऐसे समय में जब हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं और रचनात्मकता का मार्ग खोज रहे हैं, समय की मांग है कि विभिन्न भारतीय भाषाओं की संरचना और गतिशीलता की समीक्षा की जाए और यही इस संगोष्ठी की प्रासंगिकता को स्पष्ट करती है।" दो दिवसीय कार्यक्रम में पद्मश्री हलधर नाग, प्रोफेसर नंदिनी साहू, प्रोफेसर आर एस सर्राजू, डॉ सत्य नारायण पंडा सहित कई प्रतिष्ठित साहित्यिक और अकादमिक हस्तियां विचार-विमर्श करेंगी। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ओड़िशा राज्य का पहला केंद्रीय विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना 2009 में संसद के अधिनियम द्वारा की गई थी। यह ओड़िशा की कोरापुट घाटी में स्थित है और वर्तमान में इसमें 20 विभाग हैं जो विभिन्न यूजी, पीजी, एकीकृत और अनुसंधान कार्यक्रम प्रदान करता हैं।